*मुगल बादशाह शाहजहां ने **बलबन द्वारा प्रारंभ** ईरानी दरबारी रिवाज **'सिजदा' समाप्त** कर दिया था। *1636-37 ई. में सिजदा प्रथा का अंत कर दिया गया। ***जमीनबोस की प्रथा** भी **खत्म** कर दी गई और पगड़ी में बादशाह की तस्वीर पहनने की मनाही कर दी गई।

*डॉ. ए.एल. श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक 'मुगलकालीन भारत' में लिखा है कि ''शाहजहां का शासनकाल भारत में मध्यकालीन इतिहास में स्वर्ण युग के नाम से प्रसिद्ध है।'' *तथापि यह केवल कला और कला में भी वास्तुकला की दृष्टि से ही सत्य माना जा सकता है। *एल्फिन्सटन ने शाहजहां के काल के बारे में लिखा है कि ''शाहजहां का काल भारतीय इतिहास में सर्वाधिक समृद्धि का काल था।''

प्रश्नकोश

1.

ऊपर दिए गए मानचित्र में छायित क्षेत्र दर्शाता है -

(a) अलाउद्दीन खिलजी का साम्राज्य
(b) मुहम्मद तुगलक का साम्राज्य
(c) शाहजहां का साम्राज्य
(d) औरंगजेब का साम्राज्य

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

प्रश्नगत मानचित्र में शाहजहां का साम्राज्य दर्शाया गया है, क्योंकि इसमें काबुल (अफगानिस्तान) शामिल है, जबकि गोलकुंडा उसके साम्राज्य के बाहर था। गोलकुंडा को औरंगजेब द्वारा 1687 ई. में अधिकृत किया गया था।

2. ईरान के शाह और मुगल शासकों के बीच झगड़े की जड़ क्या थी?

(a) काबुल (b) कंधार
(c) कुंदूज (d) गजनी

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(b)

कंधार राज्य ईरान के शाह और मुगलों के बीच संघर्ष की जड़ था, क्योंकि कंधार को अपने हाथों में रखना मुगल शासक तथा ईरान के शाह के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया था। दोनों शासकों की साम्राज्यवादी योजनाओं को कार्यान्वित किया जाना बहुत कुछ कंधार को अपने हाथों में रखने पर ही निर्भर करता था।

3. कंधार के निकल जाने से मुगल साम्राज्य को एक बड़ा धक्का पहुंचा—

(a) प्राकृतिक संसाधनों के दृष्टिकोण से
(b) मध्यवर्ती राज्य क्षेत्र (Buffer Territory) के दृष्टिकोण से
(c) संचार व्यवस्था के दृष्टिकोण से
(d) सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से (Strategic Stronghold)

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर—(d)

शाहजहां के शासनकाल में 1649 ई. में कंधार पर पुन: ईरानी अधिकार हो जाने से मुगल साम्राज्य को सामरिक महत्व के केंद्र के दृष्टिकोण से एक बड़ा धक्का पहुंचा, क्योंकि कंधार के बिना उत्तर-पश्चिमी सीमा पर मुगलों की स्थिति अपेक्षाकृत दुर्बल थी। शाहजहां के समय में कंधार अंतिम रूप से मुगलों के अधिकार से निकल गया।

4. बनारस एवं इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर की समाप्ति के लिए किसने मुगल बादशाह के सामने बनारस के पंडितों का नेतृत्व किया था?

(a) हरनाथ (b) जगन्नाथ
(c) कवींद्राचार्य (d) कवि हरिराम

U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर—(c)

बनारस के संस्कृत और हिंदी के महान विद्वान कवींद्र आचार्य सरस्वती को शाहजहां द्वारा राजकीय संरक्षण प्रदान किया गया था। 'कवींद्र कल्पलता' उन्होंने शाहजहां की प्रशस्ति में प्रणीत की थी। 'सरस्वती' उपाधि धारक यह विद्वान् संस्कृत का मर्मज्ञ था, इसने बादशाह से निवेदन कर बनारस तथा इलाहाबाद के तीर्थयात्रा कर समाप्त करवा दिया था।

5. किस मुगल शासक ने बनारस के संस्कृत और हिन्दी के महान विद्वान कवींद्र आचार्य सरस्वती को राजकीय संरक्षण प्रदान किया था?

(a) जहांगीर (b) हुमायूं
(c) शाहजहां (d) अकबर

U.P. P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर—(c)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. शाहजहां के बल्ख अभियान का उद्देश्य था–

(a) काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना।

(b) मुगलों की मातृभूमि समरकंद और फरगना को जीतना।

(c) मुगल सीमा को 'वैज्ञानिक पद्धति' आमू दरिया पर निर्धारित करना।

(d) मुगल साम्राज्य का विस्तार उप-महाद्वीप से आगे तक करना।

I.A.S. (Pre) 2002

उत्तर–(a)

बादशाह शाहजहां की कामना अपने पूर्वज बाबर की मातृभूमि को पुनः अधिकृत करने की न होकर मध्य एशिया तथा पश्चिम एशिया के राज्यों में शक्ति संतुलन की अधिक थी। उसके बल्ख अभियान का उद्देश्य काबुल की सीमा से सटे बल्ख और बदख्शां में एक मित्र शासक को लाना था, ताकि वे ईरान और मुगल साम्राज्य के बीच बफर राज्य बन सकें।

7. निम्न में से कौन शाहजहां के शासनकाल का 'राजकवि' था?

(a) कलीम (b) काशी

(c) कुदसी (d) मुनीर

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(a)

शाहजहां ने ईरानी फारसी पद्य शैली के कवि कलीम (अबू जलीह) को 'राजकवि' नियुक्त किया। कलीम के अतिरिक्त फारसी कवियों में 'सईदाई गीलानी, कुदसी, मीरमुहम्मद काशी, सायब, सलीम, मसीह, रफी, फारुख, मुनीर, शोदा, चंद्रभान ब्राह्मण, हाजिक, दिलेरी आदि थे।

8. मुमताज महल का असली नाम था–

(a) अर्जुमंद बानो बेगम (b) लाडली बेगम

(c) मेहरुन्निसा (d) रोशन आरा

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

आसफ खां की पुत्री अर्जुमंद बानो बेगम का विवाह मुगल बादशाह जहांगीर के पुत्र शहजादे खुर्रम (शाहजहां) के साथ हुआ। भविष्य में अर्जुमंद बानो बेगम 'मुमताज महल' के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

9. हिंदू तथा ईरानी वास्तुकला का सर्वप्रथम समन्वय हमें देखने को मिलता है–

(a) ताजमहल में (b) लाल किले में

(c) पंचमहल में (d) शेरशाह के मकबरे में

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

ताजमहल के निर्माण के लिए शाहजहां ने भारत, ईरान एवं मध्य एशिया से डिजाइनरों, इंजीनियरों एवं वास्तुकारों को एकत्र किया था। ताजमहल की वास्तुकला में भारतीय, ईरानी एवं मध्य एशियाई वास्तुकला का संतुलित समन्वय दिखायी पड़ता है।

10. निम्न में से किस मुगल बादशाह ने दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया?

(a) अकबर (b) जहांगीर

(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(c)

दिल्ली की जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहां ने करवाया था। मुगल सम्राटों में शाहजहां सबसे महान भवन-निर्माणकर्ता था। उसके काल में चित्रकार और स्वर्णकार की कला का कलात्मक संयोग हुआ। जामा मस्जिद दिल्ली के लाल किले के बाहर ऊंचे चबूतरे पर स्थित है। इसके तीन प्रवेश द्वार हैं, जिनमें पूर्वी प्रवेश द्वार से बादशाह नमाज पढ़ने आया करता था तथा अन्य दो प्रवेश द्वारों (उत्तरी तथा दक्षिणी) से सामान्य प्रजा आया करती थी।

11. दिल्ली की प्रसिद्ध जामा मस्जिद का निर्माण किसने किया?

(a) हुमायूं (b) शाहजहां

(c) अकबर (d) इब्राहिम लोदी

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. निम्नलिखित में से किसने साम्राज्य की राजधानी आगरा से दिल्ली स्थानांतरित की?

(a) अकबर ने (b) जहांगीर ने

(c) शाहजहां ने (d) औरंगजेब ने

U. P. P. C. S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(c)

1628 ई. में शाहजहां 'अबुल मुजफ्फर शिहाबुद्दीन मुहम्मद साहिब किरान-ए-सानी' की उपाधि धारण कर गद्दी पर बैठा। आगरा में उसका राज्याभिषेक हुआ। इसी ने राजधानी आगरा से शाहजहांनाबाद (दिल्ली) स्थानांतरित की।

Scanned with OKEN Scanner

13. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (स्मारक)	सूची-II (निर्माता)
A. अलाई दरवाजा, दिल्ली	1. अलाउद्दीन खिलजी
B. बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	2. अकबर
C. मोती मस्जिद, आगरा	3. शाहजहां
D. मोती मस्जिद, दिल्ली	4. औरंगजेब

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	1	4	2	3
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	3	1

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है -

स्मारक		निर्माता
अलाई दरवाजा, दिल्ली	–	अलाउद्दीन खिलजी
बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी	–	अकबर
मोती मस्जिद, आगरा	–	शाहजहां
मोती मस्जिद, दिल्ली	–	औरंगजेब

14. दिल्ली के लाल किले का निर्माण करवाया था–

(a) अकबर (b) नूरजहां
(c) जहांगीर (d) शाहजहां

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(d)

अकबर के फतेहपुर सीकरी की भांति शाहजहां ने दिल्ली में अपने नाम पर 'शाहजहांनाबाद' नामक एक नगर की स्थापना की तथा वहां अनेक सुंदर एवं वैभवपूर्ण भवनों का निर्माण कर उसे सुसज्जित करने का प्रयास किया। शाहजहांनाबाद के भवनों में लाल किला प्रमुख है। यह चतुर्भुज आकार का किला लाल बलुआ पत्थर से निर्मित होने के कारण लाल किले के नाम से प्रसिद्ध है। इस किले के पश्चिमी द्वार का नाम–लाहौरी दरवाजा एवं दक्षिणी द्वार का नाम दिल्ली दरवाजा है। यह सुंदरता तथा शोभा में अनोखा है।

15. लाल किले के निर्माण के श्रेय का अधिकारी कौन है?

(a) सिकंदर लोदी (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) शाहजहां

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किस मुगल सम्राट के शासनकाल में हुआ?

(a) शाहजहां (b) अकबर
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

U.P. P.C.S. (Pre) 2009, 1992
U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(a)

उपनिषदों का फारसी अनुवाद शाहजहां के शासनकाल में शहजादे दारा शिकोह ने 'सिर्र-ए-अकबर' शीर्षक के तहत किया। इसमें 52 उपनिषदों का अनुवाद किया गया है। दारा को उसकी सहिष्णुता एवं उदारता के लिए लेनपूल ने ''लघु अकबर'' की संज्ञा दी है। यही नहीं शाहजहां ने भी दारा को ''शाह बुलंद इकबाल'' की उपाधि प्रदान की थी। ''मज्म-उल-बहरीन'' दारा की मूल रचना है।

17. इनमें से किसे शाहजहां ने 'शाह बुलंद इकबाल' की पदवी दी थी?

(a) दारा शिकोह (b) शूजा
(c) औरंगजेब (d) मुराद

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. दारा शिकोह ने किस शीर्षक के अंतर्गत उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया था?

(a) अल-फिहरिश्त (b) किताब-अल-बयां
(c) मज्म-उल-बहरीन (d) सिर्र-ए-अकबर

U. P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2004
U.P.P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. 'सिर्र-ए-अकबर' के लेखक थे–

(a) अबुल फजल (b) दारा शिकोह
(c) मुल्ला शाह बदख्शानी (d) शाह वलीउल्लाह

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. अधोलिखित में से कौन एक दारा शिकोह की रचना है?

(a) तबकति नासिरी (b) किताबुल हिंद
(c) तहकीक-ए-हिंद (d) मज्जमउल बहैन
(e) सिर्र-ए-अकबर

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर—(d)

मज्जमउल बहैन (मज्म-उल-बहरीन) दारा शिकोह की मूल रचना है, जबकि उपनिषदों का फारसी अनुवाद दारा शिकोह ने 'सिर्र-ए- अकबर' शीर्षक के तहत किया।

21. दारा शिकोह को किस स्थान पर दफनाया गया था?

(a) दिल्ली (b) आगरा
(c) औरंगाबाद (d) लाहौर

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(a)

दारा शिकोह को मलिक जीवन नामक बलूची सरदार ने औरंगजेब के सरदारों को सौंप दिया। औरंगजेब द्वारा नियुक्त विशेष न्याय समिति ने दारा को विधर्मी घोषित किया और मृत्युदंड की आज्ञा दी। 1659 ई. में दारा का कत्ल कर दिया गया, उसके सिर को आगरा के ताजमहल परिसर में तथा धड़ को हुमायूं के मकबरे (दिल्ली) में दफना दिया गया। किंतु इतिहास की अनेक पुस्तकों में इसका वर्णन नहीं मिलता। दारा की कब्र हुमायूं के मकबरे वाले परिसर में है। अतः इस प्रश्न का सही उत्तर दिल्ली मानना अधिक उपयुक्त है।

22. हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था—

(a) अमीर खुसरो (b) दारा शिकोह
(c) अमीर हसन (d) शुजा

U. P. P. C. S. (Mains) 2003

उत्तर—(b)

प्रश्नगत विकल्पों में हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम दारा शिकोह था। शाहजहां के चारों पुत्रों में ज्येष्ठ दारा शिकोह सर्वाधिक सुशिक्षित, अध्येता तथा लेखक था। उसने अनेक हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन किया एवं उपनिषदों, योग वशिष्ठ, भगवद्गीता आदि हिंदू धर्म ग्रंथों का फारसी में अनुवाद कराया।

23. निम्नलिखित में किस इतिहासकार ने शाहजहां के शासनकाल को मुगलकाल का 'स्वर्ण युग' कहा है?

(a) वी.ए. स्मिथ (b) जे.एन. सरकार
(c) ए.एल. श्रीवास्तव (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर—(c)

डॉ. ए.एल.श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक मुगलकालीन भारत (1526 से 1803 ई. तक) में लिखा है कि शाहजहां का शासनकाल भारत के मध्ययुगीन इतिहास में 'स्वर्ण युग' के नाम से प्रसिद्ध है। तथापि यह केवल कला और कला में भी वास्तुकला की दृष्टि से ही सत्य माना जा सकता है। जे. एन. सरकार और वी. ए. स्मिथ शाहजहां के काल को स्वर्णकाल मानने के पक्ष में नहीं हैं। आर. एस. शर्मा ने शाहजहां के काल को स्पष्ट रूप से मुगल काल का स्वर्णकाल माना है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

24. सुप्रसिद्ध 'कोहिनूर' हीरा शाहजहां को किसने उपहार में दिया था?

(a) औरंगजेब (b) मुराद
(c) मीर जुमला (d) अबुल हसन कुत्बशाह

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(c)

मीर जुमला का वास्तविक नाम मोहम्मद सईद था। यह मूल रूप से आर्दिस्तान का रहने वाला था। वह व्यापार-व्यवसाय करने के उद्देश्य से गोलकुंडा चला आया और प्रारंभ में यह हीरे का व्यापार करता था। बाद में वह गोलकुंडा के सुल्तान अब्दुल्ला कुतुबशाह (1626-1672 ई.) की सेवा में जाकर वजीर का पद प्राप्त किया। बादशाह शाहजहां ने मीर जुमला को पांच हजार का मनसब तथा उसके पुत्र मोहम्मद अमीन को दो हजार का मनसब प्रदान किया। इससे खिन्न होकर गोलकुंडा के सुल्तान अब्दुल्ला कुतुबशाह ने मीर जुमला के परिवार तथा संपत्ति को जब्त कर लिया, इससे क्रोधित होकर शाहजहां ने औरंगजेब को गोलकुंडा से युद्ध करने के लिए भेजा पर दोनों में संधि हो गई। यहां मीर जुमला भी औरंगजेब से आ मिला। शाहजहां ने मीर जुमला को आगरा वापस बुलाया और उसे मुअज्जम खां की पदवी से सम्मानित किया। इस अवसर पर मीर जुमला अपने साथ बादशाह के लिए अमूल्य भेंट लेकर आया। इसी अवसर पर उसने शाहजहां को कोहिनूर हीरे की भेंट दी, जो मूल्य तथा सौंदर्य में संसार में अद्वितीय समझा जाता है।

25. किस मुगल बादशाह ने बलबन द्वारा प्रारंभ किया गया दरबारी रिवाज 'सिजदा' समाप्त कर दिया था?

(a) अकबर (b) जहांगीर
(c) शाहजहां (d) औरंगजेब

U.P. P.C.S. (Mains) 2010
U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010

उत्तर—(c)

Scanned with OKEN Scanner